



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
पंजाब के सरो

दिनांक  
२२ अगस्त २३

पृष्ठ संख्या  
५ --

कॉलम  
।-५--

### कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित करने की ज़रूरत जो गंभीर समस्याओं का शीघ्र करें निवारण : प्रो. कम्बोज

- हृषि में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन

हिसार, 21 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. कम्बोज मुख्यान्विति के रूप में उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एन.ए.एच.ई.पी.-आई.डी.पी.) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी व प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय 'बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग' रहा।

इस अवसर पर इजराइल से आए डा. राईबिन डेविड और फ्रांस से आए डा. पेजमान ब डा. रोमन फर्नेंडेज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्यधुनिक तकनीकों बारे व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मुख्यान्विति प्रो. वी.आर. कम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे



कार्यशाला में कुलपति प्रो. वी.आर. कम्बोज कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन करते हुए।

के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों

मेहमानों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर कुलपति द्वारा कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया।

#### कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार ऊर्गी: डा. सर्वकांत

कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डा. सर्वकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने 'शेयरिंग इज केरिंग' स्लोगन का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, हमेशा उसे बांटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिज, संसर, कैमरा व सांख्यिकी की विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया।

इसके लिए उन्होंने संसर जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं को खेती की तरफ आकर्षित करने का भी आत्मान किया। उन्होंने दिसंबर माह में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का जिक्र करते हुए कार्यशाला में विदेशों में पहुंचे

#### हृषि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के झज्जर, जोद, फतेहाबाद, हिसार, भिकानी, चरखी दादरी व सोनीपत जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण दौरान डा. संदीप भाकर, डा. जगदीप सिंह, डा. विकास कंबोज, डा. डी.के. शर्मा, डा. राकेश चुच, डा. अमोषवर्णा, डा. सरदूल यान, डा. भूपेन्द्र सिंह, डा. पवित्रा पुनिया व डा. विकाश हुडा ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
दिनांक २२-९-२३

दिनांक  
२२-९-२३

पृष्ठ संख्या  
३ -

कॉलम  
१-५-

### भारकर खास • एचएयू में 10 दिनी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन पर बोले वीसी संसाधन साझा कर विकसित कर सकते हैं तकनीक

भारकर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन समारोह के दौरान एचएयू के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एन.ए.एचई.पी.-आई.डी.पी.) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी ने किया, जिसका मुख्य विषय 'बेहतर फ़सल प्रजनन के लिए प्रिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग'



अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन करते हुए।

रहा।

मुख्यातिथि प्रो. वी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए ए.आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिज, सेमर, कैमरा व सांख्यातिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया।

को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। कार्यशाला में मंच संचालन डॉ. विनोद गोयल ने किया, साथ ही कार्यशाला दौरान बीते 10 दिन में हुई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कार्यशाला छात्रों में नई ऊर्जा का संचार करेगी

कार्यशाला में आम्बेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने 'शेयरिंग इज केयरिंग' स्लोगन का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, हमेशा उसे बांटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने ए.आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिज, सेमर, कैमरा व सांख्यातिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टिकोण ५ जानूर २०१०	१२-१-२३	३--	७-४

### श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रुचि पर चिंता जताई



अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन करते हुए • पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे। कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट आफ बाटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था। उसका मुख्य विषय “बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुपयोग” रहा।

प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए एआइ (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने

वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रुचि पर भी चिंता जताई। इसके लिए उन्होंने सेंसर जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं को खेती की तरफ आकर्षित करने का भी आङ्गन किया। कुलपति द्वारा कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया।

कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डा. सूर्यकांत ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। इस अवसर पर इंजिनियर से आए डा. राईबिन डेविड और प्रांस से आए डा. पेजमान व डा. रोमन फर्नेंडेज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्याधिक तकनीकों वारे व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मंच संचालन डा. विनोद गोयल ने किया।

कार्यशाला के पाठ्यक्रम निदेशक व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता व आइडीपी इंचार्ज डा. केडी शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सन् ५७	२२-१०-२२	५ --	५-४--

हक्की में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

# कृषि क्षेत्र में गंभीर समस्यों के शीघ्र निवारण वाली तकनीक की जरूरतः प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक विज्ञान एवं प्रानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एन.ए.एच.ई.पी.-आई.डी.पी.) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय 'बेहतर फसल प्रजनन के लिए साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए



जीनोमिक्स का अनुप्रयोग रहा।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है, जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक-दूसरे के साथ क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली

ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लैनिंग और पता लगाकर कम समय में उसका इमेजिंग जैसी तकनीकों का निवारण किया जा सके। उन्होंने इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती कि समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली

गंभीर समस्याओं का समय से पहले गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती पर्यावरण गतिविधियों जैसे बढ़ा, बढ़ता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग आवश्यक है।

इसी प्रकार ज्यादा मात्रा में गुणवत्ताशील अनाज पैदा करने के लिए पोषक तत्व, उपयोग क्षमता, संसाधनों का एकीकरण और उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है।

कार्यशाला में आम्फेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सुर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। इस अवसर पर इजराइल से आए डॉ. राहिम डेविड और फ्रांस से आए डॉ. पेजमान व डॉ. रोमन फनेंडेंज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्यधिक तकनीकों वारे व्याख्यान दिए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभापति	२२-१०-२३	५ --	५८

# कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित करने की जरूरत जो गंभीर समस्याओं का शीघ्र करें निवारण : प्रो. काम्बोज हक्कि में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

हिसार, 21 सिंबंद (विशेष वर्ष) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दोशन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (इन इएच.ई.पी.-आई.डी.पी.) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय "बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग" रहा। मुख्यातिथि प्रो. वी.आर. काम्बोज ने बताया कि वह बहलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को



अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन अवसर पर कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज के साथ मौजूद वैज्ञानिक, शिक्षक व प्रतिभागी।

विकसित कर सकते हैं। इसके लिए ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिङ जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोष को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा समय को मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जायं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कर समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती पर्यावरण गतिविधियां जैसे बाढ़, बढ़कता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग

आवश्यक है। इसी प्रकार ज्यादा मात्रा में गुणवत्तशील अनाज पैदा करने के लिए पोषक तत्व, उपयोग क्षमता, संसाधनों का एकीकरण और उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रुचि पर भी चिंता जताई। इसके लिए उन्होंने सेंसर जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं को खेती की तरफ आकर्षित करने का भी आझ्हान किया। उन्होंने दिसंबर माह में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का जिक्र करते हुए कार्यशाला में विदेशों में पहुंचे मेहमानों को आमंत्रित किया और ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलपति द्वारा कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया। कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई कर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने 'शेयरिंग इज केरिंग' स्लोगन का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। हमेशा उसे बाठने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने

ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिङ, सेंसर, फैमरा व सांख्यायिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय घोषणा। उन्होंने अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हुए कहा कि हमेशा इस विश्वविद्यालय में आना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज के नेतृत्व में नई ऊँचाईया दूर रहा है। इस अवसर पर इजराइल से आए डॉ. राहिवन डेविड और फांस से आए डॉ. पेजमान व डॉ. रोमन फॉर्मेंड ने भी कृषि क्षेत्र में अत्यधिक तकनीकों वारे व्याख्यान दिए। कार्यशाला में भव संचालन डॉ. विदोद गोयल ने किया, साथ ही कार्यशाला दौरान जैसे 10 दिनों में हुई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कार्यशाला के पार्श्वक्रम निदेशक व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिकारी व आईटीपी इचार्ज डॉ. केशी शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुचार पत्र का नाम  
दृश्यम्

दिनांक  
२२-१-२३

पृष्ठ संख्या  
१० --

कॉलम  
५-८

हफ्ते में 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन

# कृषि के क्षेत्र में नई तकनीकें विकसित करने की जगह

हरियाणा न्यूज़ में हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सौरिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दैरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एनएचईपी-आईडीपी) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय बेहतर



हिसार। अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के मनुअल का दिमोचन करते हुए।

फोटो: हरिश्चंद्र

फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और मूल्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वह बदलाव और सीखने

का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए

एआई (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती पर्यावरण गतिविधियां जैसे बाढ़, बढ़ता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग आवश्यक है। इसी प्रकार ज्यादा मात्रा में गुणवत्ताशील अनाज पैदा करने के लिए पोषक तत्व, उपयोग क्षमता, संसाधनों का एकीकरण और उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रुचि पर भी चिंता जताई। आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सुर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई कृज्ञा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। इजराइल से आए डॉ. राईबिन डेविड और फ्रांस से आए डॉ. पेजमान व डॉ. रोमन फनेर्डेंज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्यधिक तकनीकों वारे व्याख्यान दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूत उत्ताप्ति	२२-५-२३	२ --	५-६--

## एआई, मशीन लर्निंग व इमेजिज तकनीक आज शोध की जरूरत : प्रो. बीआर कांबोज

माई स्टी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि यह बदलाव और सीखने का समय है।

जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीक विकसित की जाए, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके।

कुलपति ने कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया। आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने 'शेयरिंग इज केरिंग' स्लोगन का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। उन्होंने एआई तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिज, सेंसर, कैमरा व सांख्यिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया। इस अवसर पर इजराइल से आए डॉ. राहिकिन डेविड, फ्रांस से आए डॉ. पेजमान, डॉ. रोमन फर्नेडेज ने भी व्याख्यान दिए। डॉ. विनोद गोयल ने 10 दिनों में हुई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

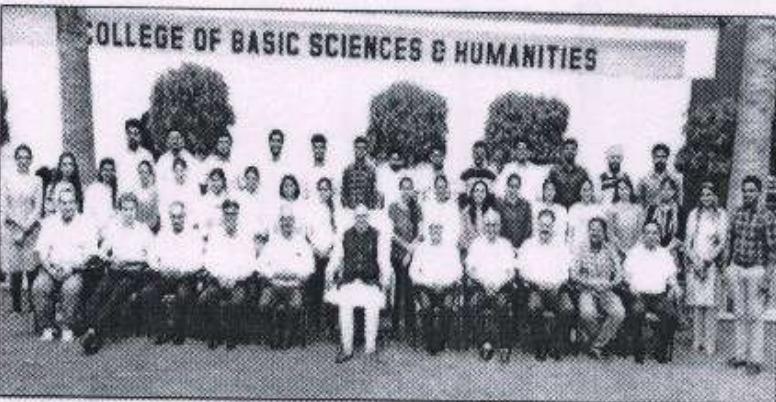


## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	21.9.2023	--	--

### कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित करने की जगत जो गंभीर समस्याओं का शीघ्र करें निवारण : प्रो. कामोज

समस्त हरियाणा न्यूज हिसार, 21 सितंबर। चौधरी चरण सिंह इच्छा मत्र नह ले जा सकते हैं। उक्तीन डिवियो विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 विज्ञान कॉर्सों को विकसित की जाएँ, दिवियो अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का जिम्में कृषि में आवं बल्ली गंधीर मध्यपन हुआ। कार्यशाला के मध्यपन मध्यस्थानों का समाय में पहले गत मध्याह्न के दीगल विश्वविद्यालय के नियावत कन मध्य में उम्मीद विज्ञान कॉर्सों औ भी आर. कामोज किया जा सके। उक्तीन कहा, आवकान मूल्यवित्ती के रूप में उपलब्ध है। इस नेतों में बटनी की विवाद गंधीरवित्ती कार्यशाला का आवोजन गंधीर कृषि इच्छा वैज्ञान विवाद कह, वकृत तपामान वैसे समस्याओं विकास विद्यालय ने नियावते के लिए भौतिकों का अवधारण योजना (एन.ए.एच.ई.सी.-आई.ई.टी.) व यही प्रयोग अवधारण है। ऐसी प्रकार प्रोडाम के गत विप्रांतेर अधिक वैज्ञानिक व्यवहार मात्र में गणवित्तील अनुसन्धान एवं एक विविधीयोंकी हातों विकास योग करने के लिए योग्यता, उत्तम उत्तम योग्यता, विद्यालयीं का एकीकरण और प्रज्ञन के लिए विविधीयोंकी इच्छा मत्र की तकनीकों का इन्नेसाल विनोदिक्षय और जीवोपिक्षय का कार्य बहुत बढ़ाये हैं। उक्तीन खेतों में जन्मयोगी" हो। मूल्यवित्ती प्रो. श्रीमदों को कमों और युवाओं को खेतों भी आर. कामोज ने बताया कि यह में कम हावि एवं भी चिंता जाता है। इसके बहलाय और बोझने का अवध एवं विवाद नियावत उक्ते खेतों की जांच भी एकत्र में लगता काम वही कर तकनीकों का इन्नेसाल कर यथाओं को देता है। हम संसाधनों को एक दूसरे के खेतों को नारा आवर्धित करने के भी साथ सज्जा करके अधिक तकनीकों को जाकर किया। उक्तीन दिसंबर मह में होने विकसित कर सकते हैं। इसके लिए वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का विळ करने 4 आई. (आटोफिशियल इंडिपेंडेंस), हाए कार्यशाला में विदेशों में पहुंच स्नेह का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञन इकाइल में आए और गैर्जिन लैंगिक और इंकार्ड गैर्जिन के साथ ने अन्यतात्र ग्राफिक प्रणीन लैंगिंग और इंसेंजिंग वैशी मध्यस्थानों को आमोंदा किया और उत्तम कोहे भीम नहीं होती, इमेज उमे पूर्ण में आए हों। वैज्ञान व डॉ. रोमन किया।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.9.2023	--	--

### हफ्ते में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला हुई संपन्न

संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं : कुलपति

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का ममापन हुआ। समापन समारोह के दौरान कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके।



अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्बोज कार्यशाला के गैनुअल व रिमोट कर्तव्यों का विमोचन करते हुए।

उन्होंने कहा आजकल तेजी से मात्रा में गुणवत्ता बदलती पर्यावरण गतिविधियां जैसे शोल अनाज पैदा करने के लिए बाढ़, बढ़ता तापमान जैसी पोषक तत्व, उपयोग क्षमता, समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल आवश्यक है। इसी प्रकार ज्यादा करना बहुत जरूरी है। कार्यशाला

में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएंगी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम नम छोर	दिनांक 21.9.2023	पृष्ठ संख्या --	कॉलम --
------------------------------	---------------------	--------------------	------------

### युवाओं की खेती में कम रुचि चिंता का विषय: प्रो. काम्बोज



नम-छोर न्यूज नं 21 सितंबर  
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मूर्खात्मिय के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन गण्डीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना प्रांग्राम के तहत हिपाटमेंट और बॉटनी एवं प्लाट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मूल्य विषय 'बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग' रहा। प्रो. काम्बोज ने बताया कि वह बदलाव और सीखने का समव है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम समाधानों को एक दूसरे

के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए एआई (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मरीन सर्विस और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीक विकसित की जाए, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बढ़ती पर्यावरणीय गतिविधियों जैसे याद, बढ़ता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग आवश्यक है। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रुचि पर भी चिंता जताई। इसके लिए उन्होंने सेसर जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं को खेती की

तरफ आकर्षित करने का भी आह्वान किया। कुलपति द्वारा कार्यशाला के भेनुअल का विमोचन किया गया। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती: डॉ. सर्वकांत कार्यशाला में आस्ट्रोलिंग से आए वैज्ञानिक डॉ. सर्वकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि वह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जाओं का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने शेवरिंग इज केवरिंग स्लोरन का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, हमें उसे बांटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिज, सेसर, कैमरा व सांख्यिकी विद्येषण को महत्वपूर्ण विषय बताया। उन्होंने अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हुए कहा कि

हमें इस विश्वविद्यालय में आगे गई की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के नेतृत्व में नई अंतर्राष्ट्रीय छुरा है। इस अवसर पर इजराइल से आए डॉ. राईबिन डेविड और फ्रांस से आए डॉ. पेजमान व डॉ. रोमन फनेडेज ने भी कथि क्षेत्र में अन्याध्युमिक तकनीकों वारे ब्याख्यान दिए। कार्यशाला में मंच संचालन डॉ. विनोद गोयल ने कहा, साथ ही कार्यशाला दौरान वीं 10 दिनों में हुई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कार्यशाला के पाठ्यक्रम निदेशक व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिकारी व आईडीपी इंचार्ज डॉ. केढ़ी शर्मा ने धन्यवाद जापित किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	21.9.2023	--	--

हक्की में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन  
कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित करने की जरूरत  
जो गंभीर समस्याओं का शीघ्र करें निवारण : प्रो. काम्बोज



पांच दर्जी विद्या

**प्रियोग:** पौरी वर्तमान विद्या-विकास के संभवतया इन वाचनों के अधीनस्थ विद्यार्थीयों के 10 लिखित अध्ययन-प्रयोगों का व्यवस्था है। यहाँ विवरित की गयी विधि विद्यार्थीयों के बढ़ावाने के लिए अनुशासनीय है। इन वाचनों का व्यवस्था विद्यार्थीयों के विभिन्न विद्यालयों के बढ़ावाने के लिए अनुशासनीय है। इन वाचनों का व्यवस्था विद्यार्थीयों के विभिन्न विद्यालयों के बढ़ावाने के लिए अनुशासनीय है।

संविधानीय का अनुप्रयोग का सूचनापत्री के लिए आवश्यकता है। इसमें विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है जो विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी है। इसमें विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है। इसमें विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है। इसमें विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है। इसमें विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज पाठकपक्ष न्यूज	21.9.2023	--	--

### कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित करने की ज़रूरत जो गंभीर समस्याओं का शीघ्र करें निवारण : प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज  
हिसार, 21 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मालिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समाप्त हुआ। कार्यशाला के समाप्त समारोह के द्वितीय विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यालय के रूप में उपस्थित हैं। इस कार्यशाला का आयोजन ग्रन्थीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्करण विकास न्यूज़ (एस.ए.एस.डी.पी.-आई.टी.यू.) द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय "बेडल फसल प्रबन्धन के लिए फिजियोलॉजी, फिजेनिक्स और जॉनीमिक्स का अनुप्रयोग" रहा। मुख्यालय प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि यह बहुत और सोखन का समय है जिसमें कोई भी एकत्र ये रहकर काम नहीं का सकता। हम समस्याओं को एक दृष्टि के साथ माझा करके अच्छी तरफ़ी को विकसित कर



सकते हैं। इसके लिए प्र.आई. (आर्टीफिशियल इंटरिजर्स), मालीन नारिंग और इमेजिंग जैसी वकारीकों का इस्तेमाल करके ग्रोथ को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा यहाँ की मार्ग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिसमें कृषि में आवंशिकी गंभीर समस्याओं का समय में यहाँ पता लगाकर कथ संघर्ष में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा। आजकल तेजी से बढ़ती एप्पलरण मॉडलिंग जैसे बढ़ बढ़ता नामान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व महों प्रयोग अवश्यक

है। इसी प्रकार ज्यादा मात्रा में गुणवत्तशील अनाज पैदा करने के लिए एपेक्षित उच्च उपयोग क्षमता, संसाधनों का एकीकरण और उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने खेतों में अधिकों की कमी और खुदाओं की खेतों में कम कम जारी रखी जिता जाता है। उसके लिए उन्होंने मंत्रा जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं की खेतों की तरफ़ आकर्षित करने का भी आवायन किया। उन्होंने दिसंबर माह में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय बम्बेलन का लिङ्क करते हुए कार्यशाला में विदेशी में रहने वेहमानों को प्रयास करना चाहिए। उन्होंने

ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटरिजर्स) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिंग, सेस्टर, कैपरा व संसाधनों की विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया। उन्होंने अपने आप को मौभूष्यशाली मानते हुए कहा कि हमेशा इस विश्वविद्यालय में आगे गई की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कूलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के नेतृत्व में नई कैलाइयों का रहा है। इस अवसर पर इन्हाँले से जहाँ डॉ. राहिकिन डैविड और डॉ.संगम से आए डॉ. विजयन व डॉ. रोमन फरीदेज ने भी कृषि क्षेत्र में आत्मधृतिक तकनीकों द्वारा व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मंच संचालन डॉ. विनेद गोयल ने कहा, साथ ही कार्यशाला द्वारा योग्य 10 दिनों द्वारा उत्तर भूमिकाओं की विदेशी प्रस्तुति की जारी रखाया और कहा। कि यह कार्यशाला विदेशीयों में उन्हें जानकारी का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने 'शेयरिंग इंज के वारिंग' न्यूज़ का इस्तेमाल कर कहा। कि जाप की कोई सीधा नहीं होती ही नहीं, हमेशा उसे बाटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
अजीट समाप्ति

दिनांक  
२२-९-२३

पृष्ठ संख्या  
५ --

कॉलम  
६-८--

### हृषि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, २१ सितंबर (विनेद बर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण के समाप्तन हुआ। इस प्रशिक्षण में अवसर पर विशेषज्ञ प्रतिभागियों के साथ।

हरियाणा के झज्जर, जींद, फरेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी व सोनीपत्त जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उत्तोक संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं आशक्ति, युवक व युवतियां इसे स्व-



सफेद बटन मशरूम, ओथस्टर या ढींगरी, मिल्की वा दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि आकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि मशरूम की विभिन्न प्रजातियां आकर पूरा वर्ष इसका उत्पादन किया जा सकता है। देश तथा प्रदेश सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को मशरूम उत्पादन को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण दौरान डॉ. संदीप भाकर, डॉ. जगदीप सिंह, डॉ. विकास कंबोज, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. राकेश चूध, डॉ. अमोघवर्धी, डॉ. सरदूल मान, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. पवित्रा पुनिया व डॉ. विकाश हुड्डा ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टी.ई. भूमि	२२ - ९ - २३	१ --	। --

हफ्ते में तीन दिवसीय  
प्रशिक्षण का समापन  
हिसार। हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल  
कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं  
शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन  
तकनीक पर तीन दिवसीय  
प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण  
में हरियाणा के झज्जर, जींद,  
फतेहाबाद, हिसार, भिवानी,  
चरखी दादरी व सोनीपत जिलों से  
प्रशिक्षणार्थी ने भाग लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टृ॒१२ भूमि	२२-९-२३	१ --	१ --

मशरूम का उत्पादन कम  
लागत में हो सकता है शुरू  
जास, हिसार : हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल  
कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं  
शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन  
तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण  
संपन्न हुआ। संस्थान के सह  
निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक  
कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम  
उत्पादन कम से कम लागत में शुरू  
किया जा सकता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अग्रीत समाचार	२२-९-२३	५ --	५ --

### हफ्ते में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज

हिसार, 21 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया जा रहा है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यालिथ के रूप में शिरकत करेंगे। समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्षा डॉ. विनोद कुमारी ने बताया कि यह कार्यशाला 22 सितंबर को प्रातः 11 बजे आरम्भ होगी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२५ निवां जानूर०।	२२-१-२७	१ --	१-२-

### हृषि में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज

जास, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा-कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका पर कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को मौलिक विज्ञान एवं मानविकी

महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया जा रहा है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.9.2023	--	--

# हकृति में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 22 सितंबर को

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया जा रहा है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्षा डॉ. विनोद कुमारी ने बताया कि यह कार्यशाला 22 सितंबर को प्रातः 11 बजे आरम्भ होगी।